

मं लथून स्वनाजातना कृतलिवकं दानविय इयागइते थायईं यश्च यथा लयूज
 वलियात १ तियमाल वकयाय ॥ ॥ नानास्वान मं अका नमात सयिव नरु
 नात मय्य रयीव ॥ थयाऽऽति ॥ नवग्रह दानविय वाक्कलयाता ॥ अका नइव
 थामे वलियूजा ॥ थनऽऽति ॥ ॥ वा. छ. कनधु मसूलि स्वान आदिनं ॥ ॥ सवि
 मयास्यं रुद्धि नं किनिव ॥ अथवा सयिव ॥ ॥ मय्य क्क सियिव धनमं दियरुव
 पुनानेहो इय ॥ ॥ मय्यियाय ॥ मय्यिस्वानयादाव कुणपूजा थानवलि विय ॥

रिद्धकयाता डाहा दानविय ॥ आवाय्य अवलि वियक हाऊन यावके ॥ थन ॥
नि ॥ ॥ आकावेम्मा कवन क काथ वामादं आदियं इरु हाव ॥ मयु रयिव
॥ थया ॥ नि ॥ ऊव यरु याय कं गाय वलि विय हात क्किया थाव आरु तियाय ॥
कुं इकया वा काया ववलि सं दाय कुं दा कया सि वू क्क नि धं द यरु सं दाय ॥ दान
विय गुद या उगा वू थने धन पा उ रिद्धनं दानविय क्क मा त्रियं ज्ञा याय गुं व व
थन ॥ नि ॥ ॥ धने पाता वरु यिव धन या स लं व गुं यव थन या रु न सि यं रु व

नरु व दा क्क न द्वा ॥ थया ॥ नि ॥ रु मि दान वू दान क्क मा लि यू जा हाऊन या व
॥ थन ॥ नि ॥ ॥ यरु या म सि यिव ऊऊ मा न सि यिव ॥ थया ॥ नि ॥ इ हा द्वा न द्वा ॥
॥ नि ॥ याय ॥ यरु याय कं गाय व वन्द वि वू दान विय ॥ धं र्ग हाऊन या वके ॥ ॥
क्क मा यिया व भय गा व ले सा म रु रु ल लाय न क थिव ॥ थया ॥ नि ॥ यरु याय क्क
या व व विय ॥ कं गाय व स धन द्वा य व था हा व वू थ द्वा रि रिद्ध दान विय ॥ आवा
यं वा या थ या व के दान विय संग हाऊन या वके ॥ ॥ ऊम ऊव या खा मन रु

अस्व रुक्मि विनय भावावयिन ॥ नायक प्रसिधिव ॥ थयागानि ॥ श्रीथमकुशम
 युजा ॥ ऊरुयाय ॥ दानविषयाय कायावस नूजिन किं हि कु आचार्य दानविषय ॥
 मंगल ऊनयावक ॥ ॥ रुयिन विवायेव कुमिमदस्येवानिव क्रावासियरुव
 ॥ थयागानि ॥ यरुयाय रुटसा लनवेन्य दानविषय महावलिविय युजादकि ॥ ८८
 काऊनयावक ॥ ॥ ग्रमसंथरुन नगरसंथरुन कर्मथरुन वनयाऊनुइहा
 नथिव नायक प्रसिधिव ॥ स्वदानछाडयिव ॥ थयागानि ॥ आडुनियाय ॥ कर्म

२३
 युजा ॥ सिऊनभावा सद्यनचायवथादाव दानविषय हि कु आचार्य वस्तु आदिन दान
 विषय काऊनयावक ॥ ॥ सिकथं दयदावस नानरुयोव सिकम सीय स्वयवास
 केली आदिन नावरुमि ॥ वनाभाड थं सिक दयिव ॥ मी दानरुव ॥ नानाडत्याग रुयव
 ॥ थयागानि ॥ वस्त्यावनायाय युया वायावाकायाव वलिसं दाय ॥ रुदवान थनः
 स्वधनयाय ॥ कृश लखनहाय ॥ यश्वनकाया ० याय ॥ सिऊनखावास धवनयावन
 थदाव दानविषय ॥ काखायग्र ॥ वकवस्तु दानविषय ॥ हि कु आचार्य यागाविषय ॥ काऊन

यावक॥ ॥ अकास्मात्तन, कुकलदायिव॥ महिदसिर्यं हव॥ विसिकया धानियादाः ॥
 उध्यायमास॥ ॥ कुसंथकन, तामंथकन, ॥ कुसंथकन॥ दिवार्गतेसा॥ गुदानक
 सियव॥ धयाः ॥ नि॥ हिदुतिरुकथायस, वासादाव, वलिसकूय॥ कुसंथकन॥ ॥
 जायाय॥ वासादाथायस, वासादाथनसीयिवात, थादावयुजायाय॥ रुमिदानयाय
 ॥ अयाययदयकाव, वासादायगा, दानविय॥ दकि, वाविय॥ यिदुथाव, संघयूजा॥
 ॥ अयायवक॥ ॥ थवकस, कुसुयिदानदाव॥ कुसुनका, सियहव॥ धयाः ॥ नि
 धाकयासासका

॥ कलगायूजा॥ यरुयाय, वलिविय, यरुनका, विधानयाय॥ सिकेकनदानवियमास॥ ॥
 अरुमात्र, अग्निधायनयादानलियरुसमिसिर्यं हव, कावायं हव, नाकायं हव, थाथकन॥
 सा॥ अजमानेप्रियिव॥ दकिनका॥ नानियाय॥ यरुयाय, कुसुयूजा, दलिविय, नवय
 रुयूजा, लुदानविय॥ हिदुविय, नभदाकयकनव॥ आवायायूजा॥ काकनवक॥ ॥
 कुसुदासिदाववा, निव, अकास्मात्तन, काकिदावन, रुव, कुसुहसिर्यं हव॥ कुसुहटिः
 सिर्यं हव॥ धानियाय॥ धनसडा, हाथुदाव, दानविय॥ अंगराजनयावक॥ ॥

ध्यावर्त्त. पुष्पान्धविष मन्त्राग्निशुक्ल दादार्गव्या ॥ धानि स्वमी ॥ वलिविय धवः
 सन्धनदानविय ॥ पुष्पान्धदादथास य विदि दाव वलिसुमय ॥ गणवकयाय ॥
 ॥ ॥ स्यादुवृद्धायिव यियावनना नाय कर्मियरुव ॥ दाने दोद्धा ॥ क्रियाय ॥
 पुष्पान नानावहु वा क न्वान मास कवयुलि ॥ वस्तु सुवर्ण वधुजग आदि
 नविय ॥ क्रिष्ण आवाय्य उवृद्धावथासयूजा वलिविय ॥ गणवकयावक ॥ ॥
 दवयूजायादाथयस थमनिय वस्तु मिननयिव अदिक सियंरुव दादाद्धा ॥

य२

ग्रीष्मकृतिनववर्त्ता ८ नाजायाकदिपिडा प्रजायाकदियंरुव दादान द्वाशयिव धया
 धानि कामविधियाय चलिपा ० दानदि १००० जादुतिविं पुष्पयत्र मृत मानिकडा
 लापिकननगुरुलितलसधून रु मिदातविष लदानविय धानावियतिथवयका
 ०० दवयूजावलिविय ॥ धमन्त्राग्नि ॥ ८ ॥ कृष्णस्वाकिएरु नमधरुन नाना
 कन्दुसिदावमरिह स्वामिन्त्ययिदान द्वाशा नियाय दाननी नयाउलधून सा

या ३. यत्न वृत्त याता विषय शोभन के ॥ ॥ अकारमममान का प्रव. तत्का वन मृदु रू.
 यिव ध्याता कि नव श्रु दान. प्रादान. सममान प्रव लि विषय ॥ ॥ दवा सया र्थ सिद्ध
 वाढ स्वदा वनाश कर्क शि यिव द कि न द्वा. लं दान शोभन के. धर्षन शा नि ॥
 सुलि चित्त लं धर्षा दा न विषय वरु दान विषय. शोभन के ॥ ॥ शान न व ल लं स
 रू मिश. शान्य गा यिव य व न र्ध श स बो दि ग उ ति। ग्वा द व क्क य लि स थ र्ध र्ध न वा रु
 २ डा द्वा ~~मि~~ मि व स मि स य फी र्म य द्वा न न द्वा क त स य द्वा. ना ग य द्वा. न क त
 नाना व ल क न म द यिव

या ३
 लर्ध श्रव शान्य गा यिव ध्य य रू ल म ल न रू यिव स्वा नान द्वा शा नि या य. व लि विषय. य
 या य. प्रा दान रू मि दान हित ए दान. व न्य शा श्र व मा र्ध य ल द्वा व क्क न या श्र ग सा. व
 या न (म रू हि शो भन के ॥ ॥ थ व कि या शि मा कि या क्क मा की या. कू या कि या म र्वा नि व
 विषय रु न लं द्वा न र्ध यिव रू वान द्वा दान विषय. ना म या य. अ द न थ द्वा व द्वा य म न
 या ३ अ य वा क्क लू थ दान दान विषय. (म रू हि शो भन के. धर्षन शा नि ॥ ॥ म न रू य र्ध म
 ला द्वा यिव २

[illegible]

मन्त्रियुक्तनधार्मिकरुमाकयुक्तधार्मिकरुमाकाकावकागसमिपदा
नमाकयुक्तमखधर्मायावयुक्तितमकयुक्तसाककथाकहकनडकयवियका
कावकायातिकर्णश्रुतननखधर्मायावयुक्तलनगकायामन्त्रियाश्रुत.
कहावकाकयुक्तनहदवश्रुतलनसहितनखकाकहयधुनीकाकानधाय
नकुनागकायावपनधार्मिकहदवसमानवाशिगागियाश्रुतलनश्रुतन
कयसाकनकनवनवाधकावकायावकाकनसहितमन्त्रियनिवायसहितवा
मानसगागिकनयनामानकाधयाककहकनकाकानगागियाकथानधार्मिक

गाथकायाव कगिन धाव, हुवा ऊन छठ विअ दून, अ य क कू व पुर्दणी यात्रा ठिग
दाकि निथे वलं अलिदा किथ वलं, अलिदा किनि स कृष्ण महासुन्द विजात्रा
धस्यार्त ऊथान रुग कयाव वात कसाक खीदाव कोधन अयाग मस्त आरु
याव काया अया ऊव खयस जिष्ठयया विद्वद वरुन द्वाय विमशुया खवम
त्राऊन छटाव मक्तिया धाल सायाव धान, समीन न न द्वागन द्वाव म
कुथाव क न दून न, वाटाव द्वाव विवात याटाव मात्र दास्य ठिग
खीदाव समस्त विमय चाल, लिथि यात्रा काधवायाव द्वालं रुयायि म

समिरुय, दक्षिण स कू थूल सिथि डाने मय स स कू मै रुय, बधि म स धन दानि रुयि डा, वायु य
स यून ना स शिथि डा उरु व स बाज रुय ० सान स बा गान कयि डा कू याम र ० स मा काल म रु रुयि डा
धयाणा के महा वलि विर कल स य ऊ, गम या क स द्वा न वृत्त या दन डा दाने कू थं धय म लुल
या, म लुल याम, ध स रुय लं काया ल स, य ऊ ग व न हाय, न यू का धूय याय, ध वलि ख मै न ना क
धूने रु डा या डा डा का ख या सा द्वा या डा मि द्वाय क, निनि न क र साया डा था स य ऊ ग व न हा

य क, कलसं लं खन हाय, नं वल बाजा या ३ अ कर साव ४ लिम काय, ककि ११ लं सित्र य १
मृ गपा १० धवलिवन मे वा ग के का य माल ॥ ॥ दुं धि सं, धरु न, कभि हा सिं धरु न, वि
मृ दु गपा १० धद यिव, हा स, वृ क्क मि यिव कलि हा यिव, का न स त या, ल ख ना वा
यिव ना ना व र य सं, स्वा मि मि यिव मृ क्क र य रु द, ॥ हा स अ व स य वृ क्क र यिव ॥ ग
लि ना सि र य व ॥ यि दा न द्वा मि यिव ॥ धा नि या य, रु न रु द, वि वि हि क्क अ वा य
या उ दा न वि या ॥ हा म या रु द, लं ध र वा व वि य, रु द वा रु स लं ध र, ध र वा रु

ध या ११ नि ॥ हा म या य, य अ व का या ०, दा न वि य द व या धा य सं यू जा, म हा व लि वि य
॥ ॥ ख व सं ध र न, वृ स थ रु ल, का ख न ख रु क्क व र वा न सा ॥ य व व क या रु य ॥ ध या
११ नि ॥ य अ व का या ० वि धा न म हा व लि रं ग रु द ॥ ॥ न द्य म थ रु न, ध व या थ रु न
थं दा न या लं ख, रु न सा, स्वा मि ना म रु यू व ध न सा यू व ॥ ध या ११ नि, य रु रु द या
य वा रु द ना नू दा न वि य, हा न्या नि न क ध व म या व ॥ ॥

II-159

सुखं वशातिं परं श्री महादेव